S. S. P. Mandal's Bhagwan Mahavidyalaya (Arts, Commerce and Science) Ashti Tal- Ashti, Dist- Beed, 414203, Maharashtra



CRITERION- III: RESEARCH, INNOVATIONS AND EXTENSION

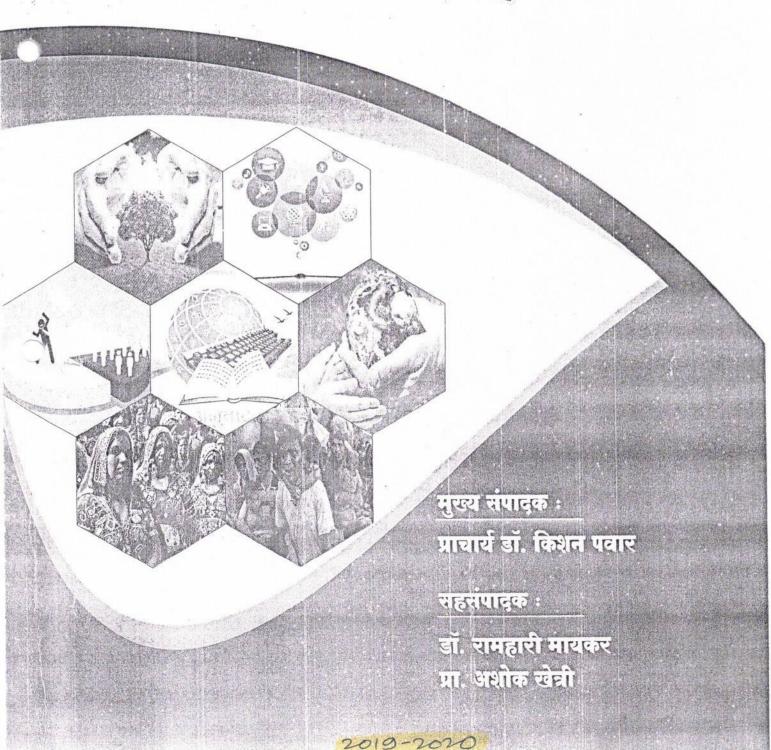
3.3.2 Number of books and chapters in edited volumes/books published and papers published in national/international conference proceedings per teacher.

<u> 2019-20</u>

Contact No: 9423716852

TSBN-978-93-83109-

मराठी साहित्यातील नवे विचारप्रवाह



- मराठी साहित्यातील नवे विचारप्रवाह
 Marathi Sahityatil Nave Vicharpravah
- प्रथमावृत्ती : ०७ फेब्रुवारी, २०२०
- प्रकाशक
 आदित्य प्रकाशन,
 खर्डेकर स्टॉप, औसा रोड, लातूर-४१३५१२
 02382-257126, Mob. 9405759888
- o ISBN-978-93-83109-63-0
- मुद्रणस्थळ
 आदित्य ऑफसेट, लातूर.
- अक्षर जुळवणी
 श्री. बालाजी बनसोडे
- मुखपृष्ठश्रीः तानाजी माने, लातूरः
- ० मूल्य: ३००/-

| ा.क | नाव | | पृ.क्र. |
|------------|-----------------------------------|----------------------------------|---------|
| | प्रा.डॉ.राजकुमार किशनराव यल्लावाड | मराठीतील पर्यावरणवादी साहित्य | १५४ |
| | प्रा.डॉ.लक्ष्मण गित्ते | विस्थापीताचे साहित्य | १५९ |
| | प्रा.डॉ.बालासाहेब कोंडीबा जाधव | पर्यावरणवादी साहित्य | १६२ |
| | प्रा. पोकळे आबासाहेब नवनाथ | मराठी प्रादेशिक कादंबरी | १६६ |
| 9-1-1-1 | प्रा.डॉ.मायकर आर.बी. | विज्ञानवादी साहित्य : एक अभ्यास | १७२ |
| | दिपक रायभान कारके | उपेक्षित प्रवाहातील मातंग समाज | |
| | | आणि संस्कृती | १७६ |
| 2 3 | डॉ. महादेव जगताप | प्रादेशिक दृष्टिकोनातून 'फेसाटी' | |
| ۱. ۶۰ | SI. Televi VIII | चा विचार | १८१ |
| 2 × | डॉ. सोपान सुरवसे | गावठाण प्रादेशिक कादंबरी | |
| , 0. | 51. (1111 3/11) | समुह जीवनाची व्यथा | १८७ |
| 3 G. | प्रा. अशोक शिलांबरराव खेत्री | विज्ञानवादी साहित्य | १८९ |
| | प्रा. महारूद्र जगताप | विस्थापित मराठी साहित्य | १९५ |
| ₹4. 30. | ~ ~ ~ ~ | कथेतील उपेक्षित स्त्री : देवदासी | 200 |
| ₹0. 3८. | 200 | तेराव्या शतकातील उपेक्षित संत | २१२ |
| | डॉ.गणेश मदनराव शिंदे | मराठवाड्यातील दलित नाटककार | :२१७ |
| 47. | 31.11-141 1141 1113 | दत्ता भगत | |
| V 0 | डॉ.कैलास इंगळे | मराठी प्रादेशिक साहित्य — | |
| 00. | 51.47(114) \$ 100 | स्वरुप आणि व्याप्ती | २२१ |
| V9 | प्रा.केंद्रे सिता लक्ष्मणराव | आठवणींचे पक्षी मधील | |
| ος. | MISON IXIII | समाजजीवनाचे स्वरुप | २२६ |
| V2 | . डॉ.राखी सिद्राम सलगर | अनुवादीत साहित्यात भगवान | |
| 0 7 | 91.091 1081 108 | ठग यांचे योगदान | २२८ |
| 83 | . डॉ.सोळंके चत्रभुज नारायणराव | 'अण्णा भाउंची कादंबरी' | २३२ |
| | . डॉ. दैवत दिनकर सावंत | विस्थापन आणि जागतिकीकरण | २३६ |
| 84 | | अल्पसंख्याक समुदायाचे साहित्य | 5,88 |
| ४६ | . , , , | साठोत्तरी मुस्लिम मराठी कविता | 588 |

. _ 3 _ 0 _ 1 .

;)

मराठी प्रादेशिक कादंबरी

प्रा. पोकळे आबासाहेब नवनाथ भगवान महाविद्यालय, आष्टी ता. आष्टी जि. बीड

सारांश

काळाच्या ओघात समाजात आणि साहित्यात नव—नवे असे विचार प्रवाह उदयास येत असतात. मराठी साहित्यामध्येही पर्यावरणवादी साहित्य, अनुवादीत साहित्य, विज्ञानवादी साहित्य, उपेक्षितांचे साहित्य, स्त्रीवादी साहित्य, विस्थापितांचे साहित्य, ग्रामीण साहित्य, दिलत साहित्य, अल्पसंख्यांक समुदायाचे साहित्य, प्रादेशिक साहित्य अशासारखे नवे विचार प्रवाह पाहावयास मिळतात. मराठी साहित्यामध्येही या स्वतंत्र विचार प्रवाहाने आपले अस्तीत्व विविध साहित्यकृतींच्या माध्यमातुन आधोरेखीत केले आहे.

कथा, कविता, नाटक, कादंबरी अशा सारख्या विविध साहित्य प्रकाराच्या माध्यमातून प्रादेशिक साहित्याने आपले वेगळेपण जपलं आहे. प्रादेशिक साहित्या मध्ये मराठी प्रादेशिक कादंबरीने विविध कादंबऱ्यांच्या माध्यमातून आपले प्रादेशिकतेचे मुल्य जपल्याचे दिसून येते. समाजजीवन, लोकसंस्कृती भाषा, बोलीभाषा, त्याची शैली, विविध प्रादेशिक विभागातील समस्या, प्रत्ययकारी असे समाजवास्तव अशा सारख्या विविध बाबींचे चित्रण आपणास विविध मराठी प्रादेशिक कादंबऱ्यांच्या माध्यमातून अनुभवयास मिळते.

प्रस्तावना

१९२० नंतर गांधीवादाचा ग्रामजीवनावरील प्रभाव, राष्ट्रवादी विचारसरणी, महाराष्ट्र राज्याच्या स्थापनेनंतर खेडोपाडयात निर्माण झालेल्या शिक्षण सुविधा, त्यातून नव्या पिढीला आलेले आत्मभान, विविधि साहित्यकृतीचा व साहित्य प्रकारांचा झालेला परिचय, आपली संस्कश्ती, आपल्या प्रथा—परंपरा, आपला इतिहास, आपली जीवनशैली आशा सारख्या विविध बाबी विषयी नवसाक्षरांच्या मनात निर्माण झालेला अभिमानकृकृ अशा सारख्या विविध बाबींच्या पाठबळावर स्वातंत्र्योत्तर काळात साहित्यकारांची एक चळवळ उदयास आली. या साहित्यकारांनी आपल्या विविध साहित्यकृतींच्या माध्यमातून आपल्या मनातील विविध भावनांना

शब्द[ृ] ओघा

या स प्रादेशि अशी करण्य प्रादेशि

अशा मांडल बोली१ उदीमां म्हणजे साहिल साहिल साकर आपल नसावा

धारणा, कपडे-त्या प्रते आणुन मराठी

(गोव्यार जातात. भाषा ब वेगळेपर मधुन अ



आपातकालोत्तर हिन्दी नुक्कड़ नाटक डॉ. अप्यासाहेब खळके



आपातकालोत्तर हिन्दी नुक्कड़ नाटक

डॉ. अप्पासाहेब टाळके



संकल्प प्रकाशन

कानपुर (उ.प्र.)

प्रस्तुत पुस्तक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की प्रकाशन योजना के अंतर्गत प्रदत्त वित्तीय सहायता से डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित की जा रही है; जो ' आपातकालोत्तर हिंदी नुक्कड़ नाटक' इस लघुशोध परियोजना पर है।

ISBN: 978-81-944964-4-1

पुस्तक का नाम आपातकालीत्तर हिन्दी नुक्कड़ नाटक

लेखक डॉ. अप्पासाहेब टाळके

© लेखक

प्रथम संस्करण 2020

5000

प्रकाशका

मूल्य : 450/-

संकल्य प्रकाशन 1569/14 नई बस्ती बक्तौरीपुरवा, बृहस्पति मन्दिर नौबस्ता, कानपुर-208 021 दूरभाष : 094555-89663, 070077-49872 Email : sankalpprakashankanpur@gmail.com

शब्द सज्जा :

रुद्र ग्राफिक्स, कानपुर

मुद्रकः साक्षी आफॅसेट, कानपुर

Aapatkalottar Hindi Nukkad Natak

Dr. Appasaheb Talke Price: Four Hundred Fifty Only.

समर्पण

उन सब नुक्कड़ नाटक मंडलियों, लेखकों और रंगकिमियों को सादर समिपित जिनके समन्वित प्रयासों से हिंदी नुक्कड़ नाटक एक धारदार विधा/हथियार बन सका। शेतकरी शिक्षण प्रसारक मंडल के दरणीय भीमराव घोंडे साहब म्यान्स्याडा विश्वविद्यालय के हिंदी तथा मेरे महाविद्यालय के प्राचय हिन मिलता रहा। उनके प्रति के व्यभि और दोस्तों ने भी मेरा उत्साह मिललप प्रकाशन के श्री अरुण व ही UGC (WRO) पुणे के आर्थिक

र ही UGC (WRO) पुणे के आर्थिट तः मैं उनका भी कृतज्ञ हूँ। को पसंद आयेगी।

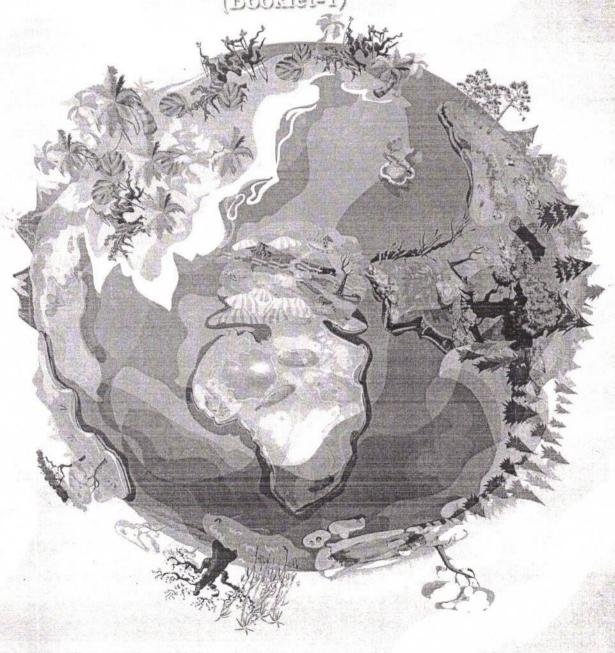
डॉ. अप्पासाहेब टाळके हिंदी विभागाध्यक्ष एवं शोधनिर्देशक भगवान महाविद्यालय, आष्टी, जिला- बीड (महाराष्ट) 414203,

अनुक्रम

| | नुक्कड़ नाटक अर्थ, स्वरूप और महत्त्व | 15 |
|---|--|-----|
| | हिंदी नुक्कड़ नाटक परंपरा और विकास | 33 |
| • | आपातकालोत्तर हिंदी नुक्कड़ नाटक का विषय वैविध्य | 66 |
| - | आपातकालोत्तर हिंदी नुक्कड़ नाटक में अभिव्यक्त समस्याएँ | 93 |
| - | आपातकालोत्तर हिंदी नुक्कड़ नाटक़ की भाषा एवं शिल्प | 119 |
| • | उपसंहार | 146 |
| • | परिशिष्ट | 152 |

Zine in

Global Environmental Problems (Booklet-1)



Edited by Dr. Dilipkumar A. Ode Mr. Jigeshkumar D. Chauhan

total. [K

GLOBAL ENVIRONMENTAL PROBLEMS (BOOKLET-1)

Edited by: Dr. Dilipkumar A. Ode & Mr. Jigeshkumar D. Chauhan

RED'SHINE PUBLICATION PVT. LTD.

Headquarters (India): 88, Patel Street, Navamuvada,

Lunawada, India-389 230

Contact: +91 76988 26988

Registration no. GJ31D0000034

In Association with,

RED'MAC INTERNATIONAL PRESS & MEDIA, INC

India | Sweden | Canada

Text ©AUTHOR, 2020

Cover page ©RED'SHINE Studios, Inc, 2020

100

All right reserved. No part of this publication may be reproduced or used in any form or by any means-photographic, electronic or mechanical, including photocopying, recording, taping, or information storage and retrieval systems- without the prior written permission of the author.

ISBN: 978-93-89840-77-3(paperback)

DIP: 18.20.773/89840

Price: ₹800

November, 2020 (First Edition)

In

The views expressed by the authors in their articles, reviews etc. in this book are their own. The Editor, Publisher and owner are not responsible for them. All disputes concerning the publication shall be settled in the court at Lunawada.

www.redshine.co.in | info.redmac@gmail.com

Printed in India | Title ID: 89840773

INDEX

| NO. | TOPIC WITH AUTHOR'S NAME | PAGE NO. |
|------|---|-------------|
| 01. | SPARKLINGPANDEMIC: ENVIRONMENTAL EDUCATION AS A | 01 |
| | KEY STRAND FOR SUSTAINABLE DEVELOPMENT | |
| | -URNA BHATTACHARJEE | |
| 02. | THE ORGANIC ROADMAP TO SUSTAINABILITY IN | 06 |
| | AGRICULTURE: EVIDENCE FROM BIHAR | |
| | -HIMANSHU KUMAR | |
| 03. | SOLUTIONS FOR HEALTHIER AND BETTER ENVIRONMENTAL | 10 |
| | CONDITIONS IN INDIA | |
| | -VIKRAM SHARMA | |
| 04. | EXPLOITATING OF NATURAL RESOURCES AND IMPACT ON | 16 |
| | ENVIRONMENT | |
| | -DR. SUJATA M. P. | |
| (05) | GREEN CHEMISTRY AND ITS ROLE TO PREVENT | 18 |
| | ENVIRONMENTAL POLLUTION | |
| | -DR. BABASAHEB SONYABAPU ZINE | |
| 06. | DAM POLITICS, SUBSISTENCEDAMAGE, PANDEMIC AND OTHER | 22 |
| | ISSUES LEAP IN SUNDARBANS | |
| | -ATANU MONDAL | |
| 07. | TO STUDY OF FLOOD DISASTER MANAGEMENT OF GODAWARI | 27 |
| | RIVER IN BEED DISTRICT | |
| | -RAJKUMAR TUKARAM RATHOD | |
| 08. | GLOBALIZATION | 34 |
| | -DR. PUSHPA S DIWAKAR | |
| 09. | ECO-TOURISM IN KASHMIR: RACE TO PROTECT FRAGILE | 38 |
| | ENVIRONMENT | |
| | -MATEEN YOUSUF | |
| 10. | ENVIRONMENTAL POLLUTION – CONTROL MEASURES | 43 |
| | -R. SREEDEVI REDDY | |
| 11. | AN OVERVIEW ON SOLAR MICRO GRIDS AS BEST SOLUTION | 48 |
| | FOR THE FUTURE ENERGY | |
| | -HUSSAIN AMAAR | |
| 12. | ENVIRONMENTAL PROTECTION- LAWS AND ACTS IN INDIA | 52 |
| | -MANAM SREENIVASULU | |
| 13. | "WILDLIFE CONSERVATION IN INDIA: STRATEGIES AND | 59 |
| | EMERGING CHALLENGES" | |
| | -SAVITA SHASTRI | |
| 14. | पर्यावरण संरक्षण और मनरेगा योजना | 66 |
| | -DR. YOGENDRA KUMAR | 30.043.0714 |
| 15. | BIODIVERSITY LOSS: A GLOBAL ISSUE | 70 |
| | -MS. SURBHI BHARDWAJ -DR. SAMRIDHI TANWAR | 70 |
| 16. | GLOBAL CLIMATE CHANGE | 74 |
| | -HARSH KUMAR | , , |
| | -naksh kumak | |

| 17. | AGRICULTURAL POLLUTION: CAUSES, HAZARDS AND SOLUTIONS | 80 |
|-----|---|-----|
| | -DR. GYANENDRA KUMAR -DR. UZMA AFAQ | |
| | -DR. BARRISTER KUMAR GUPTA | |
| 18. | SEEDS OF HOPE – NAVDANYA BIODIVERSITY CONSERVATION | 85 |
| 10. | FARM | |
| | -GEETHA PRABHU K | |
| 19. | GLOBAL ENVIRONMENTAL PROBLEMS: ENERGY | 90 |
| | -DR.VISHAKHA TELGOTE -PRAVIN B DANGAR | |
| 20. | ORGANIC FARMING | 96 |
| | -DR.G.HEMALATHA | |
| 21. | SOLID WASTE MANAGEMENT AND ITS EFFECT ON | 101 |
| | ENVIRONMENT | |
| | -J. PRAVEEN KUMAR | |
| 22. | CONSERVATION OF ENVIRONMENTAL RESOURCES | 106 |
| | -JUSMITA GOGOI | |
| 23. | A PERSPECTIVES OF AN INDICATORS TO PROMOTE AGRO- | 109 |
| | TOURISM STRATEGIES | |
| | -DR.UPENDRA ABHIMANYU PATHADE | |
| 24. | DATA ANALYSIS OF CRITERIA POLLUTANTS IN AIR DURING | 114 |
| | COVID-19 | |
| | -MRS.VIJETHA BHAT | |
| 25. | IMPACT OF PESTICIDES USE TOWARDS ENVIRONMENT& | 119 |
| | HUMAN BEING: AN OVERVIEW | |
| | -VISAKH N.U. | |
| 26. | IMPACT OF AIR POLLUTION & ABATEMENT TECHNOLOGIES | 124 |
| | -ANJALI BALA -RAVIKANT DUBEY | |
| 27. | ROLE OF INDIVIDUAL TO PREVANT DISASTER AT HOME | 130 |
| | -DR. PALLABI MALI | |
| 28. | STUDIES ON TREATMENT OF DOMESTIC WASTE WATER BY | 133 |
| | USING DUCKWEED SPECIES | |
| | -DR. PL. MEYYAPPAN | |
| 29. | STUDIES ON TREATING POTABLE WATER USING BIO-SAND | 137 |
| | FILTRATION | |
| | -DR. PL. MEYYAPPAN | |

GREEN CHEMISTRY AND ITS ROLE TO PREVENT ENVIRONMENTAL POLLUTION

DR. BABASAHEB SONYABAPU ZINE

Assistant Professor Bhagwan Mahavidyalaya, Ashti. Dist. Beed- 414203 (MAHARASHTRA)

* INTRODUCTION

Green Chemistry is defined as environmentally benign chemistry. As on today, maximum pollution to the environment is caused by numerous chemical industries. Therefore, attempts have been made to design synthesis for manufacturing processes in such a way that the waste products are low, they have no effect on the environment and their disposal is convenient. For carrying out reactions it is necessary that the starting materials, solvents and catalysts should be carefully chosen. If possible, it is best to carry out reactions in the aqueous phase. With this view in mind, synthesis methods should be designed in such a way that the starting materials are consumed to the maximum extent in the final product. The reaction should not generate any toxic by-products.

There are many useful products like medicines, antibiotics, synthetic polymers, plastics, fertilizers, pesticides etc on which we are dependent. They are prepared from different chemicals using various processes. Almost all chemicals are toxic to less or greater extent. Many processes generates waste products and cause environmental pollution. There are also other hazards like accidents in chemical plants like Bhopal in India in which 4000 peoples killed because of release of methyl isocyanine gas in 1984. Hence to address this problem, it has necessary for the chemists to review and modify all the chemical processes used to make above things. Thus use of green chemistry or Clean Chemistry in manufacturing processes has gain importance today.

Green chemistry, also called sustainable chemistry, is an area of chemistry and chemical engineering focused on the designing of products and processes that minimize or eliminate the use and generation of hazardous substances. While environmental chemistry focuses on the effects of polluting chemicals on nature. Green chemistry focuses on the environmental impact of chemistry, including reducing consumption of non-renewable resources and technological approaches for preventing pollution. Chemistry brought about medical revolution till about the middle of twentieth century in which drugs and antibiotics were discovered. The world's food supply also increased enormously due to the discovery of hybrid varieties, improved methods of farming, better seeds, and use of insecticides, herbicides and fertilizers. The quality of life on earth became much better due to the discovery of dyes, plastics, cosmetics and other materials. Soon, the side effects of chemistry also became pronounced, main among them being the pollution of land, water and atmosphere. This is caused mainly due to the effects of by-products of chemical industries, which are being discharged into the air, rivers/ oceans and the land. The use of toxic reactants and reagents also make the situation difficult. The pollution reached such levels that different governments made laws to minimize it. This marked the beginning of Green Chemistry in the synthesis of chemical reactions.

The Green Chemistry revolution provides an enormous number of opportunity to discover and apply new synthetic approaches using alternative feedstock; Eco friendly reaction conditions, energy minimization and the design of less toxic and inherently safer chemicals. The origin and basis of Green Chemistry for achieving environmental and economic prosperity is essential in a sustainable world. One important element of sustainable chemistry is commonly defined as the chemical research aiming at the optimization of chemical processes and products with respect to energy and material consumption, inherent safety, toxicity, environmental degradability While considering progress has been made in environmental chemistry, Green Chemistry, and the environmental assessment of chemical products, however, the aspect of sustainable

2019.2020

Indag nute sin

Emerging Advances in Mathematical and Physical Sciences



Dr. Anil Kumar Dr. Dilip Kumar SHANGHAI MANULA PERTH HENGKENG KUALA ELIMPUE SINGAPUE

Dr. Rakesh Kumar Mr. Sunder Singh

Copyright © Anil Kumar, Rakesh Kumar, Dilip Kumar & Sunder Singh, 2020

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, recording or otherwise, without the prior written permission of the author.

This book has been published with all reasonable efforts taken to make the material error-free after the consent of the author. The author of this book is solely responsible and liable for its content including but not limited to the views, representations, descriptions, statements, information, opinions and references ["Content"]. The publisher does not endorse or approve the Content of this book or guarantee the reliability, accuracy or completeness of the Content published herein. The publisher and the author make no representations or warranties of any kind with respect to this book or its contents. The author and the publisher disclaim all such representations and warranties, including for example warranties of merchantability and educational or medical advice for a particular purpose. In addition, the author and the publisher do not represent or warrant that the information accessible via this book is accurate, complete or current.

ISBN: 9789390261680 First Published in 2020

Walnut Publication (Vyusta Ventures LLP) #722, Esplanade One, Rasulgarh, Bhubaneswar – 751010, India

Physical Sciences

| Chapter - 7. | Green Synthesis of Zinc Oxide Nanoparticles Using Aloe-Vera Gel and Its X-Ray Diffraction Analysis Ravikant Divakar, Anil Kumar and Deepash Shekhar Saini | 69-77 |
|---------------|---|---------|
| Chapter - 8. | Renewable Energy Resources in India L. Malleswara Rao, APV Appa Rao, J Rama Mohan, P Ramakrishna Rao, Ch. Sundar Singh and KCSV Ramana | 78-87 |
| Chapter - 9. | Dielectric Properties of X (COMn _{0.2} Zn _{0.2} Fe _{1.6} O ₄)+ (1-X) BaTiO ₃ Composites N.N. Waghule, D.R. Shengule and K.M. Jadhav | 88-98 |
| Chapter - 10. | Synthesis of Li-Ni-Cu Nano Ferrites R.G. Kharabe, R.P. Kage and G.M. Madinalli | 99-105 |
| Chapter - 11. | Investigation of Corrosivity of Peroxide Solutions by E- pH Diagram Vipin Choudhary, Rajendra Kumar, A.K. Singh and A. Sharma | 106-114 |
| Chapter -12. | Synthesis and Optical Properties of Nano Crystalline Trivalent Erbium Rare Earth Doped Calcium Magnesium Silicate Based Phosphor: A Review Shashank Sharma, Sanjay Kumar Dubey and A K Diwakar | 115-122 |
| Chapter - 13. | Audio Signal Compression Using Haar Wavelet Transform Meenu Kumari and Anil Kumar | 123-131 |
| Chapter - 14. | Investigation of electronic band structure of ZnSe at rock salt phase Pawan Kumar Saini, Dharamvir Singh Ahlawat and Salah Dagud | 132-139 |

Emerging Advances in Mathematical and Physical Sciences Editors: Anil Kumar, Rakesh Kumar, Dilip Kumar, Sunder Singh ISBN: 9789390261673

Chapter - 9

Dielectric Properties of X (Comn_{0.2}Zn_{0.2}Fe_{1.6}O₄₎ +(1-X) Batio₃ Composites

N.N. Waghule¹, D.R. Shengule², K.M. Jadhav³

¹Bhagwan Mahavidyalaya, Ashti Ta- Ashti Dist - Beed- 431 122 (M.S) India.

Phone: +919421349085, E-mail: nnwagule@gmail.com

²Vivekanand Art's, Sardar Dalip singh Comm., Science College, Aurangabad. (M.S) India.

³Dept. of Physics, Dr Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad. (M.S)
India.

Abstract: Ferromagnetic-piezoelectric particulate composites of xCoMn_{0.2}Zn_{0.2}Fe_{1.6}O₄ + (1-x) BaTiO₃ (x=0.0, 0.25, 0.50, 0.75, 1.00) were prepared by conventional ceramic method using AR grade oxides of relative ions. The presence of two phases in composites was confirmed by X-ray diffraction (XRD) technique. The results of XRD pattern shows cubic spinel structure for ferrite phase and tetragonal perovskite structure for ferroelectric phase. Study of the variations of dielectric constant (ε ") with frequency in the range of 20Hz–1MHz at room temperature was carried out for all compositions. As frequency increases, the dielectric constant (ε ') is found to decrease. The decrease in dielectric constants is exponential in nature. At higher frequency, the dielectric constant remains almost constant. At fixed frequency dielectric constant decreases as ferrite content(x) increases. The decrease in dielectric constant. At fixed frequency dielectric constant decreases as ferrite content(x) increases. It was noticed that the dispersion in ε ' is similar to Maxwell-Wagner interfacial polarization in agreement with Koop's phenomenological theory.

KEYWORDS: Ferrite, ferroelectric, Magneto electric-composite, Dielectric constant, Dielectric loss,

THE SCIENCE OF ENERGY

Editor Dr. C. M. Kale



RUSHI PUBLICATION

THE SCIENCE OF ENERGY

ISBN No.

978-81-929628-3-2

Publication

Rushi Publication

Rgd. No.:1641500310731143

Publisher

Dr. Surekha S. Lakkas

B-115, Gajanan Colony, Gharkheda, Aurangabad. (M. S.) INDIA, 431005

D: +91 9975080017

e-mail-drsurekhakale@gmail.com

Copyright © 2020:

All right reserved with authors.

No part of this book may be reproduced or copied in any form or by any means graphic, elect mechanical, including but not limited to photocopying, recording, taping, Webdisti information networks, or information storage and retrieval systems-without the written permit copyright holder and author(s). Breach of this condition is liable for legal action. All disposubject to Aurangabad jurisdiction only.

Editor

Dr. C. M. Kale

Assistant Professor and Head

Department of Physics, Indraraj Arts, Commerce and Science

College, Sillod, Dist. Aurangabad (M.S.) INDIA

Edition

First Edition (July 5, 2020), Gurupournima

Publication date : 5 July 2020

Typesetter

Ajay Computer and Multiservices, Sillod

Cover design

Shravani Graphics, Aurangabad

Total pages

178+2

Distributor

Distributor

Mr. Ajay Sonawane

Price

Rs.250/-

ISBN 978-81-929628-3-2



978-81-929628-3-2



Note: The information written by every author in this book is his own manuscript. It has no concern at all we publisher or the editorial board.

| 12. | SOUND ENERGY | 79-85 |
|-------|---|---------|
| 14. | Dr. Ramdas B. Kavade | |
| | Assistant Professor and Head, Department of Physics | |
| | Bhagwan Mahavidyalaya, Ashti. Dist. Beed | |
| 13. | ELASTIC ENERGY | 86-92 |
| 13. | Dr. Santosh D. More | |
| | Assistant Professor and Head, Department of Physics | |
| | Deogiri College, Aurangabad | 00.0 |
| 14. | GRAVITATIONAL ENERGY | 93-97 |
| TT. | Dr. Santosh S. Deshpande | |
| | Assistant Professor and Head, Department of Physics | |
| | Rashtramata Indira Gandhi College. Jalna | 00 404 |
| 15. | GEOTHERMAL ENERGY | 98-104 |
| 13. | Mr. Ravindra N. Chikhale | |
| | Assistant Professor, Department of Physics | |
| | J. S. M. College, Alibag, Dist. Raigad | 105 100 |
| 16. | HYDROENERGY | 105-109 |
| 10. | Dr. Mahesh K. Babrekar | |
| | Assistant Professor, Department of Physics Indraraj Arts, Commerce and Science College, Sillod. Dist. Aurangabad | |
| | TIDAL ENERGY | 110-115 |
| 17. | Dr. Mrs. Surekha B. Jaiswal | 110-113 |
| _ , . | Assistant Professor and Head, Department of Physics | |
| | Moreshwar Arts, Comm. and Science College, Bhokardan. Dist. Jalna | |
| | OCEAN ENERGY | 116-121 |
| 18. | Dr. Shivanand V. Kshirsagar | 110-121 |
| | Vice-Principal and Head, Department of Physics | |
| | Mrs. Kesharbai Sonajirao Kshirsagar Alias kaku Arts, Science and | |
| | Commerce College, Beed | |
| 40 | BIOMASS ENERGY | 122-127 |
| 19. | Dr. Raosaheb K. Barote | |
| | Vice-Principal and Head, Department of Zoology | |
| | Sant Dnyneshwar Mahavidyalya, Soegaon. Dist. Aurangabad | |
| 20 | ENERGY FROM FOSSIL FUEL | 128-133 |
| 20. | Dr. Kakasaheb V. Badar | |
| | Assistant Professor, Department of Botany | |
| | Yeshwantrao Chavan College Sillod, Dist. Aurangabad | |
| 21 | ELECTROSTATIC ENERGY | 134-139 |
| 21. | Dr. Ram S. Barkule | |
| | Assistant Professor, Department of Physics | |
| | Sundarrao More College of Arts, Commerce, and Science, | |
| | Poladpur. Dist. Raigad | |
| 22. | ELECTROMAGNETIC ENERGY | 140-144 |
| 44. | Dr. Vishwanath D. Mote | |
| | Assistant Professor, Department of Physics | |
| | Dayanand Science College, Latur | |
| 23. | ENERGY FROM FOOD | 145-151 |
| 43. | Mr. Rushi C. Kale | |
| | Student, Class-XII | |
| | Shivchhatrapati College, CIDCO, Aurangabad | |
| 24. | COSMIC ENERGY | 152-155 |
| 4T. | Dr. Satish R. Bainade | |
| | Junior College Teacher | |
| | Rajeev Gandhi Military School and Jr. College Kolwad, Buldana | |





CHAPTER.12

SOUND ENERGY

12.1. INTRODUCTION

Every day we hear sounds from various sources like humans, birds, bells, machines, vehicles, televisions, radios, etc. A sound is a form of energy that produces a sensation of hearing in our ears. There are also other forms of energy like mechanical energy, heat energy, light energy, etc. The principle of conservation of energy, states that we can neither create nor destroy energy. We can just change it from one form to another. In our daily activity, we hear and produce sound from different sources.



A sound is a form of energy that is produced when an object vibrates. The sound vibrations cause waves of pressure that travel through a medium, such as air, water, wood, or metal. Sound energy travels out like waves in all directions. Sound energy is a form of mechanical energy. Sound waves are longitudinal waves. Sound energy is typically not used for electrical power or for other human energy needs because the amount of energy that can be gained from the sound is quite small. We can use sound energy to learn about our surroundings. The simplest and most obvious use of sound energy is for hearing. Humans can hear frequencies between about 20 Hz to 20,000 Hz. Sound energy is usually measured by its pressure and intensity, in special units called pascal and decibels. Sometimes, loud noise can cause pain to people. This is called the threshold of pain. This threshold is different from



K.L.E. SOCIETY'S

P.C. Jabin Science College

Autonomous
CPE- Phase-III

Re-Accredited with CGPA 3.43 at 'A' grade by NAAC

Vidyanagar, Hubballi -580031 Karnataka, India

Conference Proceedings of

One day online

International Conference

(0) m

Advanced Materials

held on



Proceeding title

: Conference Proceedings of one day online International Conference on Advanced Materials

Editor / Author

- Dr. Jagadeesha Angadi V, Assistant Professor, Department of Physics,
 P.C. Jabin Science College, Hubballi, Karnataka, India
- Dr. Rajesha Nairy K, Assistant Professor, Department of Physics,
 P.C. Jabin Science College, Hubballi, Karnataka, India

First Edition

: 20th September 2020

No part of this publication may be reproduced or used in any form or by means of Graphics, Electronic or Mechanical and retrieved systems without the permission of publication and authors.

Disclaimer

: The authors responsible for the contents in the articles

ISBN No



Review Committee Dr. I. I. Pattanashetti
 Associate Professor, Department of Physics
 P.C. Jabin Science College, Hubballi, Karnataka, India

Dr. P.R. Jeergal
 Associate Professor, Department of Physics
 P.C. Jabin Science College, Hubballi, Karnataka, India

Dr.Manjunatha S.O
 Department of Physics,
 M.S.Ramiah University of Applied Sciences, Bengaluru, India

Dr. Mustafa Akyol - Professor
 Department of Materials Engineering,
 Adana Alparslan Turkes Science and Technology University,
 Adana, Turkey.

 Dr. A.T.Kozakov - Professor Scientific Research Institute of Physics at Southern Federal University, Rostov-on-Don, Russia.

Copy rights and Publishers

: Principal

K.L.E'S P.C. Jabin Science College

Autonomous, Vidyanagar, Hubballi-580031

Telephone:+91-0836-2372285, FAX: 0836-2375370

Email: jabincollege@gmail.com, Website: www.jabincollege.com

| | 16. | Antimicrobial and Cytotoxic Effects of Silver Nanoparticles Synthesized from Waste Extract of Okra Fruit- A Review | 143-155 |
|---|-----|--|---------|
| | 17. | Green-Red light emissions from ASL Phosphors doped with Tb,Eu | 156-159 |
| | 18. | Nanomaterials | 160-168 |
| | 19. | Design and analysis of cyclic loading for compressor disc in gas turbine | 169-188 |
| | 20. | Effect of Co on the Magnetic Properties of YGdFe ₁₇ Si | 189-195 |
| | 21. | Significance of Carbon Nanotubes in the early Diagnosis of Cancer and its Treatment-A Review | 196-210 |
| _ | 22. | Electrical properties of polypyrrole doped with different acids | 211-213 |
| | 23. | Synthesis, Characterization and Biological Evaluation of Nanomaterials Derived from Natural Products | 214-222 |
| | 24. | Role Of Nanomaterials In Nanotechnology | 223-233 |
| | 25. | Investigation of Structural and Magnetic Parameters of Ni-Cu Spinel Ferrites | 234-239 |
| | 26. | Ground and Excited State Dipole Moments of Coumarin Derivative 4ATMC | 240-248 |
| | 27. | Significance of Magnetic nanoparticles in the treatment of cancer- A review | 249-264 |
| | 28. | An Overview of benefits of zero-dimensional Perovskites and their challenges | 265-273 |
| | 29. | Study of Structural and Magnetic Properties of Copper Substituted Nickel ferrite | 274-281 |
| | 30. | Carbon and Graphene Quantum Dots and their Applications in Agriculture, Biomedical and Biotechnological | 282-308 |
| | 31. | Analysis of Structural, Electrical and Cure Temperature Measurements of In3+ Substituted Yttrium Iron Garnet | 309-316 |

Investigation of Structural and Magnetic Parameters of Ni-Cu Spinel Ferrites

R. B. Kavade¹, R. G. Vidhate², J. M. Bhandari³, D. R. Sapate⁴, K. M. Jadhav⁵

¹Bhagwan Mahavidyalaya, (Arts, Commerce and Science) Ashti, Dist. Beed.(M S),India.

² Anandrao Dhonde Mahavidyalaya, Kada, Beed,India.

⁴Sant Ramdas college (ACS), Ghansawangi, Dist. Jalana,India.

⁵Department of Physics Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangaba,India.

Corresponding author email id: kavade.ramdas@mail.com, rgvidhate@rediffmail.com, jmbhandari_1969@yahoo.co.in dilipsapate@gmail.com, drjadhavkm@gmail.com

Abstract: The polycrystalline samples of ferrite having the general formula Ni1-XCuXFe2O4 with x = 0.0, 0.5, 1.0 were synthesized using solid state reaction technique. The X-ray diffraction patterns revealed the formation of single phase cubic spinel structure for x = 0.0 and x = 0.5. The lattice constant increases with copper content and shows tetragonal structure for x = 1.0 (CuFe2O4) with lattice constant a = 5.8489 Å and c = 8.6385 Å, X-ray intensity ratios were calculated for selected planes (220), (311), (440), (422), (333) were compared with the observed intensity ratios in order to obtain cation distribution. The results of the cation distribution indicate that Cu2+ and Fe3+ occupy both sites whereas Ni2+ occupy octahedral B site. The saturation magnetization (Ms) and magneton number (nB) both decreases with copper substitution. The behaviour of magnetic properties was also studied using Neel's collinear model.

Keywords: X-ray diffraction, cation distribution, magneton number

Introduction:

Spinel ferrites are commercially important materials because of their excellent electrical and magnetic properties. Interesting physical and chemical properties of ferrites arises from ability of these compounds to distribute cations amongst the available tetrahedral A-site and octahedral B-site and magnetic A-A, B-B and A-B interactions. Ferrites fulfill the wide range of applications from microwave to radio frequencies and are of importance from both fundamental and applied research point of view. [1,2]. The twin property of electrical insulator and magnetic conductor makes ferrites useful in many devices such as transformer cores, antenna rod, and memory chips, microwave devices, magnetic recording etc. Compared to other magnetic materials ferrites can be easily prepared, low cost and highly stable. The important electrical and magnetic properties of



SYMPRICIONS COLUMN

P.C. Jabin Science College

Autonomous

CPD- Phase-III

Re-Accredited with CGPA 3.43 at 'A' grade by NAAC

Vidyanagar, Hubballi -580031 Karnataka, India

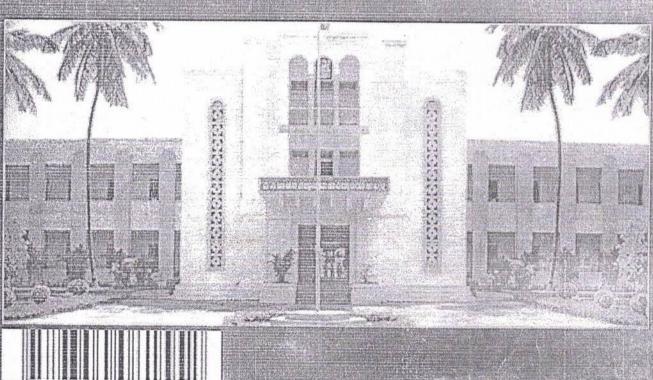
Conference Proceedings of

One day online

Internetional Conference

Advanced Materials

held on





Proceeding title

: Conference Proceedings of one day online International Conference on Advanced Materials

Editor / Author

Dr. Jagadeesha Angadi V, Assistant Professor,
Department of Physics,
 P.C. Jabin Science College, Hubballi, Karnataka, India

Dr. Rajesha Nairy K, Assistant Professor,
 Department of Physics,
 P.C. Jabin Science College, Hubballi, Karnataka, India

First Edition

: 20th September 2020

No part of this publication may be reproduced or used in any form or by means of Graphics, Electronic or Mechanical and retrieved systems without the permission of publication and authors.

Disclaimer

: The authors responsible for the contents in the articles

ISBN No



Review Committee

1. Dr. I. I. Pattanashetti

Associate Professor, Department of Physics P.C. Jabin Science College, Hubballi, Karnataka, India

Dr. P.R. Jeergal
 Associate Professor, Department of Physics
 P.C. Jabin Science College, Hubballi, Karnataka, India

Dr.Manjunatha S.O
 Department of Physics,
 M.S.Ramiah University of Applied Sciences, Bengaluru, India

Dr. Mustafa Akyol - Professor
Department of Materials Engineering,
Adana Alparslan Turkes Science and Technology University,
Adana, Turkey.

 Dr. A.T.Kozakov - Professor
 Scientific Research Institute of Physics at Southern Federal University, Rostov-on-Don, Russia.

Copy rights and Publishers

: Principal

K.L.E'S P.C. Jabin Science College

Autonomous, Vidyanagar, Hubballi-580031

Telephone:+91-0836-2372285, FAX: 0836-2375370

Email: jabincollege@gmail.com, Website: www.jabincollege.com

| 16. | Antimicrobial and Cytotoxic Effects of Silver Nanoparticles Synthesized from Waste Extract of Okra Fruit- A Review | 143-155 |
|-----|--|---------|
| 17. | Green-Red light emissions from ASL Phosphors doped with Tb,Eu | 156-159 |
| 18. | Nanomaterials | 160-168 |
| 19. | Design and analysis of cyclic loading for compressor disc in gas turbine | 169-188 |
| 20. | Effect of Co on the Magnetic Properties of YGdFe ₁₇ Si | 189-195 |
| 21. | Significance of Carbon Nanotubes in the early Diagnosis of Cancer and its Treatment-A Review | 196-210 |
| 22. | Electrical properties of polypyrrole doped with different acids | 211-213 |
| 23. | Synthesis, Characterization and Biological Evaluation of Nanomaterials Derived from Natural Products | 214-222 |
| 24. | Role Of Nanomaterials In Nanotechnology | 223-233 |
| 25. | Investigation of Structural and Magnetic Parameters of Ni-Cu Spinel Ferrites | 234-239 |
| 26. | Ground and Excited State Dipole Moments of Coumarin Derivative 4ATMC | 240-248 |
| 27. | Significance of Magnetic nanoparticles in the treatment of cancer- A review | 249-264 |
| 28. | An Overview of benefits of zero-dimensional Perovskites and their challenges | 265-273 |
| 29. | Study of Structural and Magnetic Properties of Copper Substituted Nickel ferrite | 274-281 |
| 30. | Carbon and Graphene Quantum Dots and their Applications in Agriculture, Biomedical and Biotechnological | 282-308 |
| 31. | Analysis of Structural, Electrical and Cure Temperature Measurements of In3+ Substituted Yttrium Iron Garnet | 309-316 |

Study of Structural and Magnetic Properties of Copper Substituted Nickel ferrite

J. M. Bhandari¹, R. G. Vidhate², R. B. Kavade³, K. M. Jadhav⁴

¹Smt. S. K. Gandhi Arts, Amolak Science and P. H. Gandhi Commerce College Kada, Maharashtra, India.
²Anandrao Dhonde Alias Babaji Mahavidyalaya, Kada, Beed, Maharashtra, India.
³Bhagwan Mahavidyalaya, Ashti, Beed, Maharashtra, India.
⁴Department of physics Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad, India.

Corresponding author email id: rgvidhate@rediffmail.com, jmbhandari_1969@yahoo.co.in kavade.ramdas@gmail.com

Abstract: In this present work, compositions of copper substituted nickel spinel ferrites samples with the general formula $Ni_{1-x}Cu_xFe_2O_4$ (with x=0.0, 0.4, and 0.8) prepared by standard ceramic technique is investigated. The structural properties of these ferrite samples have been studied using X-ray diffraction technique. X-ray diffraction studies of compositions revealed the formation of single phase cubic structure. Magnetization measurements were carried out using pulse-field hysteresis loop technique at room temperature. The saturation magnetization (Ms), magneton number (n_B), and coercivity (Hc) obtained from pulse field magnetization technique decreases with Cu substitution x.

Keywords: XRD, lattice constant, x-ray density, magnetization.

Introduction:

In recent years, nano-sized spinel ferrite particles have attracted considerable attention of scientists and technologists due to their interesting and unusual properties both from the fundamental and academic point of view which is altogether different from their bulk counterpart [1]-[3]. The ability to produce nano-sized particles has opened new applications for magnetic materials, such as magnetic media, high density recording, drug delivery, magneto caloric refrigeration etc. [4]-[6].

Among the different spinel ferrites, nickel ferrite (NiFe₂O₄) is a well-known soft magnetic material and having inverse spinel structure, whose degree of inversion depends on the thermal heat treatment. The high electrical resistivity and moderate magnetic properties makes nickel ferrite an excellent core material for various applications in electronic and telecommunication. Nickel ferrite has been successfully synthesized by various methods and studied for its structural



K.L.E. SOCIETY'S

P.C. Jabin Science College

Autonomous CPE- Phase-III

Re-Accredited with CGPA 3.43 at 'A' grade by NAAC

Vidyanagar, Hubballi -580031 Karnataka, India

Conference Proceedings of

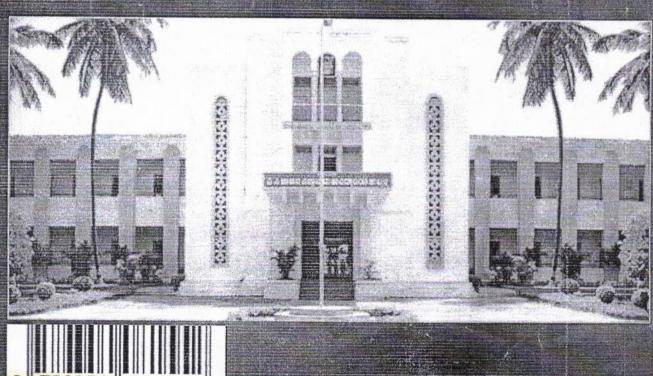
One day online

International Conference

Advanced Materials

held on

July 2020





| 16. | Antimicrobial and Cytotoxic Effects of Silver Nanoparticles Synthesized from Waste Extract of Okra Fruit- A Review | 143-155 |
|-----|--|---------|
| 17. | Green-Red light emissions from ASL Phosphors doped with Tb,Eu | 156-159 |
| 18. | Nanomaterials | 160-168 |
| 19. | Design and analysis of cyclic loading for compressor disc in gas | 169-188 |
| 20. | Effect of Co on the Magnetic Properties of YGdFe ₁₇ Si | 189-195 |
| 21. | Significance of Carbon Nanotubes in the early Diagnosis of Cancer and its Treatment-A Review | 196-210 |
| 22. | Electrical properties of polypyrrole doped with different acids | 211-213 |
| 23. | Synthesis, Characterization and Biological Evaluation of Nanomaterials Derived from Natural Products | 214-222 |
| 24. | Role Of Nanomaterials In Nanotechnology | 223-233 |
| 25. | Investigation of Structural and Magnetic Parameters of Ni-Cu Spinel Ferrites | 234-239 |
| 26. | Ground and Excited State Dipole Moments of Coumarin Derivative 4ATMC | 240-248 |
| 27. | Significance of Magnetic nanoparticles in the treatment of cancer- A review | 249-264 |
| 28. | An Overview of benefits of zero-dimensional Perovskites and their challenges | 265-273 |
| 29 | Study of Structural and Magnetic Properties of Copper Substituted Nickel ferrite | 274-281 |
| 30. | Carbon and Graphene Quantum Dots and their Applications in Agriculture, Biomedical and Biotechnological | 282-308 |
| 31. | Analysis of Structural, Electrical and Cure Temperature Measurements of In3+ Substituted Yttrium Iron Garnet | 309-316 |

Proceeding title

: Conference Proceedings of one day online International Conference on Advanced Materials

Editor / Author

 Dr. Jagadeesha Angadi V, Assistant Professor, Department of Physics,
 P.C. Jabin Science College, Hubballi, Karnataka, India

Dr. Rajesha Nairy K, Assistant Professor,
 Department of Physics,
 P.C. Jabin Science College, Hubballi, Karnataka, India

First Edition

: 20th September 2020

No part of this publication may be reproduced or used in any form or by means of Graphics, Electronic or Mechanical and retrieved systems without the permission of publication and authors.

Disclaimer

: The authors responsible for the contents in the articles

ISBN No



Review Committee

Dr. I. I. Pattanashetti
 Associate Professor, Department of Physics
 P.C. Jabin Science College, Hubballi, Karnataka, India

Dr. P.R. Jeergal
 Associate Professor, Department of Physics
 P.C. Jabin Science College, Hubballi, Karnataka, India

Dr.Manjunatha S.O
 Department of Physics,
 M.S.Ramiah University of Applied Sciences, Bengaluru, India

Dr. Mustafa Akyol - Professor
Department of Materials Engineering,
Adana Alparslan Turkes Science and Technology University,
Adana, Turkey.

 Dr. A.T.Kozakov - Professor
 Scientific Research Institute of Physics at Southern Federal University, Rostov-on-Don, Russia.

Copy rights and Publishers

: Principal

K.L.E'S P.C. Jabin Science College

Autonomous, Vidyanagar, Hubballi-580031

Telephone: +91-0836-2372285, FAX: 0836-2375370

Email: jabincollege@gmail.com, Website: www.jabincollege.com

Analysis of Structural, Electrical and Cure Temperature Measurements of In³⁺ Substituted Yttrium Iron Garnet

R.G.Vidhate^{#1}, J.M. Bhandari*², R.B.Kavade³ K.M.Jadhav⁴

¹ Anandrao Dhonde Alias Babaji Mahavidyalaya, Kada, Beed.

²Gandhi college Kada, Beed

³Bhagwan Mahavidyalaya, Ashti, Beed.

⁴Department of physics Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad.

Corresponding author email id: rgvidhate@rediffmail.com, jmbhandari_1969@yahoo.co.in, kavade.ramdas@gmail.com

Abstract: In^{3+} was added in to yttrium iron garnet (YIG). Samples, with a nominal composition of $Y_3In_xFe_{5-x}O_{12}$ with x=0.0, 0.2 and 0.6 were prepared by a solid-state sintering method. The samples were characterized by X-ray diffraction technique. The X-ray diffraction studies of compositions revealed the formation of single phase cubic structure with lattice constant ranging from 12.37 to 12.44 Å.

The FTIR spectra of typical samples are taken in the range of $500\text{-}4000\text{cm}^{-1}$. IR spectra show typical absorption bands indicating the garnet nature of samples. The D.C. electrical resistivity $\rho_{d.c.}$ Was measured in the temperature range 300-725 K.

Keywords: Yttrium iron garnet, indium, structural and electrical study.

Introduction:

Mixed metal oxides with iron (III) oxides as their main component are known as ferrites. Historically ferrites represent an important category of materials, which are in great demands due to their numerous applications in many fields. The electrical and magnetic properties of ferrites are strongly dependent on their chemical composition and their method of preparation [1, 2]. It is important to optimize the electrical and magnetic properties of ferrites, for desired applications. Due to their interesting properties scientists, researchers and engineers are still interested in designing the various types of ferries material substituted with different cations with different valencies and prepared by different techniques.

In the various types of ferrites rare earth garnet especially yttrium iron garnet (YIG) is of great importance for scientist and technologist because of their applications in microwave communication devices such as circulators, oscillators, gyrators and phase shifters because of its

Reviews in AQUATIC SCIENCES

Dr. V.B. Sakhare • Dr. B. Vasanthkumar Dr. A. D. Chalak • Dr. S.S. Jadhav

R.P. Publications
H.No. J-180/5-A, 4th Pusta,
Pahari Hotel Wali Gali
Opposite Ajay Medical Store,
Kartar Nagar, Delhi-110053
E-mail: rppublication2009@gmail.com
www.rppublication.com
Mobile: 9968053557, 9811149816

Reviews in Aquatic Sciences

@Author

First Edition 2020

ISBN 978-93-82398-97-4

All rights reserved no part of this work may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without the prior written permission of the Publishers.

PRINTED IN INDIA

Published by Rajendra Yadav for R.P. Publications Delhi-110053. Laser Typesetting at Shahabuddin Computers, Printed at Sachin Printers, Delhi-53

List of Contributors

- A.D. Chalak, Department of Zoology, Late Shankarrao Gutte Gramin ACS College, Dharmapuri-431515
- A. E. Sonavane, College of Fishery Science, Nanaji Deshmukh Veterinary Science University, Jabalgur - 482004
- A. G. Baraskar, Post Graduate Department of Zoology, Yogeshwari Mahavidyalaya, Ambajogai-431517
- B. Vasanthkumar, Department of studies in Zoology, Government Arts and Science College, Karwar-581301, India E-mail: ugc.bvk@gmail.com
- D. T. Wagh, Department of Zoology, BhagwanMahavidyalaya, Ashti - 414203 E-mail:- drwagh11@rediffmail.com
 - E. Natarajan, Centre of Advanced Study in Marine Biology, Paculty of Marine Sciences, Annamalai University Parangipettai-608502, Tamil Nadu, India

Imail: menrajancas@gmail.com

- M.M. Ol'kar, College of Fishery Science, Maharashtra Animal & Plahery Sciences University, Nagpur- 413517
- R. Bulanubramanian, Centre of Adva. ced Study in Marine Blology, Faculty of Marine Sciences, Annamalai University, Parangipettai 608 502, Tamil Nadu, India

Imail: balaram_r2@rediffmail.com

- D. Gulbhile, Department of Zoology, Vaishnavi Mahavidyalaya, Wadwani
- N. Surnar, College of Fishery Science, Nanaji Deshmukh Voterinary Science University, Jabalpur - 482004

| | 89 | 118 | 128 | 134 | 161 | 101 | 201 | | 230 | 237 | 245 | 1 1 1 1 |
|---|--|---|--|--|--|--|---|---|--|--|---|--|
| 7. Study of Ecological Biodiversity and Screening of Freshwater Bivalves From | United the Figure 1 of Marathwada Region -S. D. Gulbhile | 8. Seed Collection and Farming of Air-Breathing Fishes in Farmers' Perspective -Subrato Ghosh | | DA-STEERING FORD | rerspective -S. S. Belsare and M. M. Girkar . Recent Advancements in Freshwater Aquaculture | -S. W. Belsare, S. S. Ghatge & M. M. Girkar Diversity of Zooplankton in Relation to Physico-Chemical Parameters from Bhaythana Reservoir Mahamattan I. I. | Fish and Fisheries of Kalwati Reservoir, Maharashtra | 15. Rate of Ammonia Excretion in Languist | Marginalis Due to Neuro- Endocrine Manipulation During Summer Season -D. T. Wa.gh | Over View of Internal Ear and Their Function -Vikas Pathak | 17. Overview of Wildlife Protection Act of India -Vikas Pathak | |
| | | ∞ | 6 | 10. | 12. | 13. | 14. | 15. | | 16. | 17. | 4/11/14/4 |
| | | | The second | | | | | | | | l'ibi | The second secon |
| | Blad and Ada and | v vii | 1 | 15 | 37 | 54 | 65 | | 75 | | | |
| Contents | | List of Contributors Preface | Review on Biology, Fisheries and Migration of Indian Shad, Tenualosa Ilisha (Hamilton) -V. B. Sakhare | Gobiid Fish Diversity Along the Estuaries and Mangroves of Tamil Nadu, South East Coast of India | Livelihood-Oriented Brackish Water Finfish and Shellfish Farming Activities in Indian Sundarbans | Study of Hydrochemistry of Some Lentic Water Bodies of Karwar- Uttara Kannada District, Karnataka | Cultivation of Aquatic Macrophyte With Makhana Aquaculture System | A.E. Sonavane & M.M. Girkar | A Neview on Applications of Geographical Information System in Fisheries Resource Mapping and Management -5. S. Ghatge, | S. W. Belsare & M. M. Girkar | | |

cerebral and visceral ganglia do passes factors which controlling metabolic events during reproductive phases of bivalve molluscs.

Considering the paucity of information on such neuroendocrine manipulation on general physiology, breeding and reproduction in Indian freshwater bivalve molluscs. The present study has been undertaken on freshwater bivalve molluscs. Lamellidens Marginalis to understand the effect of cerebral ganglia in changes in the rate of oxygen consumption, ammonia excretion, O:N rate and change in the organic constitutions from different soft body parts develops and maturation of gonads, spawning and neuro-endocrine centers during different seasons.

Key Words: Hypothalamus, gonadotrópins, Soft body parts, Pituitary Gland Cerebral Ganglia, Lamellidens Marginalis.

Introduction

their report show that although ammonia is the dominant regulation and of excretion which helps in the elimination of product large amount of amino-nitrogen are lost and there is small but significant amount of urea also excreted by same species (Bayne, 1976). The rate of nitrogen excretion by bivalve In aquatic animals, regulation of the chemical compositions of the body fluid an important function of ionic and osmotic wastes and the conservation of useful metabolites for growth, maintenance and reproduction. In bivalve molluscs several workers have studied nitrogenous excretory products and molluscs are extremely variable, which is not surprising in utilization of reserves (Bayne, 1976). However, few workers view of the marked seasonal changes in nutrient storage and attempted to understand the factors influencing the rate of excretion, despite the voluminous literature on the rate of protein ingested through food are hydrolyzed in the digestive oxygen uptake in relation to the environment (Bayne, 1976) system to their constitutive amino acids by protolytic enzymes. These amino acids are then accumulated for carbon and nitrogen catabolism. A number of investigators have studied

Chapter-15

Rate of Ammonia Excretion in Lamellidens Marginalis Due to Neuro-Endocrine Manipulation During Summer Season

-D. T. Wagh

ABSTRACT

The mechanism by which the hypothalamus regulates the release of gonadotropins from the pituitary gland and the use of drugs and releasing hormones to stimulate gonadotropins are now well known in case of fishes. Relatively very little is known on such aspects of neuro-endocrine control in bivalve shellfishes from India and abroad. Since, the pioneering work of M. Gabe, P.Lubet, I. J. Antheunisse, R. Nagabhushanam and U. H. Mane it has been established that their occurs endogenous regulation from central ganglia, Particularly the cerebral ganglia, on the general metabolism and reproduction in bivalve molluscs. There had been some controversies on such type of regulation in these animals. The experimental work by surgical operation of ganglia and injections of ganglionic extract as developed by P. Lubet proved that the

FRESHWATER ECOLOGY

Dr. V.B. Sakhare • Dr. Narendra V. Harney Dr. B. Vasanthkumar • Dr. C.M. Bharambe

Published by:

R.P. Publications

H.No. J-180/5-A, 4th Pusta,

Pahari Hotel Wali Gali

Opposite Ajay Medical Store,

Kartar Nagar, Delhi-110053

E-mail: rppublication2009@gmail.com

www.rppublication.com

Mobile: 9968053557, 9811149816

Freshwater Ecology

@Authors

First Edition 2020

ISBN 978-81-945828-3-0

All rights reserved no part of this work may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without the prior written permission of the Publishers.

PRINTED IN INDIA

Published by Rajendra Yadav for R.P. Publications Delhi-110053. Laser Typesetting at Shahabuddin Computers, Printed at Sachin Printers, Delhi-53

List of Contributors

- A.A. Dhamani, Principal, Gramgita Mahavidyalaya, Chimur-4422903
- N.V.Harney, Department of Zoology, Centre for Higher Learning and Research in Zoology, Nilkanthrao Shinde Science and Arts College, Bhadrawati-442902
- 8.8. Judhav, Department of Zoology Vasant Mahavidyalaya, Kaij
- Whaparde P.I., Department of Zoology, Centre for Higher Learning and Research in Zoology, Nilkanthrao Shinde Science and Arts College, Bhadrawati-442902
- Luharia, N.M Department of Zoology, N. H. College, Bramhapuri 441206
- Mahajan, V. S., Department of Zoology, Centre for Higher Learning and Research in Zoology, Nilkanthrao Shinde Science and Arts College, Bhadrawati-442902
 - V.B. Sakhare, Post Graduate Department of Zoology Yogeshwari Mahavidyalaya, Ambajogai-431517
- G.B.Sanap, Department of Zoology, Khare Dhere Bhosale College, Guhagar, Dist: Ratnagiri,
- A.L. Shelekar, Department of Zoology, Centre for Higher Learning and Research in Zoology, Nilkanthrao Shinde Science and Arts College, Bhadrawati-442902
- A.R. Singh, P.G. Department of Zoology, Jay Prakash University, Chapra (Bihar)

Chandra Bhushan Tiwary, Vidya Bhawan Mahila Mahavidyalaya, Siwan (Bihar)

D.T.Wagh, Department of Zoology, Bhagwan Mahavidyalaya, Ashti - 414203

Preface

The present book entitled 'Freshwater Ecology' comprises chapters by well-known experts and research workers in their respective fields. We are thankful to all the contributors who responded promptly by making available their articles. With the application oriented and interdisciplinary approach, we hope that the students, teachers, researchers, scientists, policy makers and environmental lawyers in India and abroad will find this volume much more useful. The articles in the book have been contributed by eminent scientists/academicians.

We are grateful to the following under mentioned distinguished scientists and other fellow colleagues for their constant encouragements, suggestions, valuable guidelines and necessary help. These respected, distinguished, beloved scientists and well-wishers are Dr. A. S. Dhamani, Gramin Mahavidyalaya, Chimur (Maharashtra), Dr. N. M. Luharia, N. H. College, Bramhapuri (Maharashtra), Dr. A. K. Singh, Ity Prakash University, Chapra (Bihar), Chandra Bhushan Tiwary, Vidya Bhawan Mahila Mahavidyalaya, Siwan (Bihar) and Dr. D. T. Wagh, Bhagwan Mahavidyalaya, Ashti (Maharashtra)

We thank to M/S R.P. Publications, New Delhi for taking

We are grateful to our family members for helping us by several ways and encouraging us for publication of this values.

Contents

| List o | List of Contributors | 2 | 8 | 8. Climate Change and Biodiversity in Tronical |
|---------|---|-----|-------|---|
| Preface | ac | vii | | |
| Ļ | Phytoplankton Diversity of Kundalika Reservoir in Beed District of Maharashtra, India -V.B. Sakhare and S.S. Tadhav | 1 | .0 | 10 |
| 73 | Studies on Seasonal Variation of Physico- Chemical Parameters of Mohabala Lake of Bhadrawati, Maharashtra | 12 | 11 | in High Population Density Culture Under Laboratory Conditions -Ashok Kumar Singh & Chandra Bhushan Tiwary |
| | -N.V. Harney and V.S. Mahajan | | 10. | |
| ю́ | Benthic Diversity of Gorja Lake of Bhadrawati, District Chandrapur, Maharashtra -A.L.Shelekar and N.V.Harney | 84 | | |
| 4. | Ichthyofaunal Diversity of Ghodpeth Lake of Bhadrawati Tehsil in Chandrapur District, Maharashtra | 96 | 11. | Macrophyte Diversity in Gawrala Lake and Vinjasan Lake of Bhadrawati, District Chandrapur, Maharashtra -N.V. Harney, N.M. Luharia & A.A. Dhamani |
| ശ | iorja Lake of our, Maharashtra / | 104 | 12. | Ooc |
| 9 | Avian Biodiversity in Vashishti River Basin of Ratnagiri District of Maharashtra, India -G. B. Sanap & V.B. Sakhare | 125 | Index | - D.I. Vvagn |

189

197

205 205 214

160

Zooplankton Population Estimation in Medium Current Regime Selected Sites of Gandak

ζ.

-Chandra Bhushan Tiwary & A.K. Singh

River In Chapra

171

181

REFERENCES

- Ambasht, R.S.2005.Macrophytes limnology in the Indian subcontinent.Ukaaz Publication, Hyderabad. pp.58-174.
- Joshi, G., A.D. Adonil and A.K. Vaishya.1987. Ecology of Sagar Lake, Hyderabad IV (29): 151-155.
- Kodarkar, M.S.1996. Conservation of Lakes, IAAB Publication No. 3, IAAB, Hyderabad.
- Kodarkar, M.S.1994. Conservation of Saroornagar lake. Hyderabad Bachao.3 (9): 21.
- Majid, F. Z. 1986.Aquatic weeds-utility and development. Agro Botanical Publishers, India.
- Raut, N. and Pejaver, M. 2005. Survey of diversity of plankton attached to macrophytes from weed infested lake in Thane, Maharashtra. J. Aqua. Biol. 20(1): 1-7.
- Sitre, S.R. 2013. Biodiversity of Benthic Macroinvertebrates in a Polluted Urban Lake of Nagpur City (M.S.), India. Bionano Frontier, pp.44-45.
- Wetzel, R.G. and Likens, G.E.1979. Limnological Analysis, Philadelphia, W.B. Saunders, 357.
- Wetzel, R.G.1975. Limnology, W.B. Saunders Co. Philadelphia, 743.
 Yadav, S. R. and Sardesai, M.M. 2002. Flora of Kolhapur District Published by Shivaji University Kolhapur (India).



Oocytes Development in *Lamellidens Marginalis* Due to Neuro-Endocrine Manipulation During Summer Season

- D.T. Wagh

ABSTRACT

The aquaculture of bivalve mollusks has started recently in India, the processing in cultural aspects are wholly dependent upon the natural supply of seed of animals. In some species of fishes, induced reproduction has been successful only in one season. While in other spawning can be induced at any time. The mechanism of hypothalamus regulates the release of gonadotropin from the pituitary gland and the use of drugs and releasing hormones to stimulates release of gonadotropin are well known in case of fishes. Relatively, very little is known in such aspects of neuro-endocrine control in bivalve shell fishes from India and abroad. Since the pioneering work M. Gabe, P. Lubet, L.J. Antheunisse, Nagabhushann and Mane, it has been established that their occurs endogenous regulation from central ganglia, particularly the central ganglia